SARS-CoV-2 और बिल्लियाँ, कुत्ते, मक्खियाँ

क्या कुत्ते या बिल्ली के काटने से SARS-CoV-2 मनुष्यों में फैल सकता है?

जंगली चमगादड़ों या पैंगोलिन (एक प्रकार के स्तनधारी जीव) द्वारा मनुष्यों में SARS-CoV-2 संक्रमण फैलने की सम्भावनाएँ काफ़ी प्रबल हैं। लेकिन, अब तक तो इस बात के कोई प्रमाण नहीं हैं कि यह वायरस पालतू जानवरों के ज़रिए मनुष्यों में फैल सकता है।

एक हालिया अध्ययन बताता है कि SARS-CoV-2वायरस, बिल्लियों वफैरेट (नेवले की प्रजाति का एक जीव) को संक्रमित कर सकता है और यह दोनों प्रजातियाँ इस वायरस के ख़िलाफ़ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न कर लेती हैं। लेकिन कुत्तों में यह वायरस फलने-फूलने में सफल नहीं हो पाया है। इसी तरह, SARS-CoV-2 सूअरों, मुर्गियों और बत्तखों को भी संक्रमित नहीं कर पाया है। यह जानने के लिए अभी और प्रयोग किए जाने की आवश्यकता है कि SARS-CoV-2 पालतू जानवरों से मनुष्यों में और मनुष्यों से पालतू जानवरों में फैल सकता है या नहीं।

अगर आप में *कोविड-19* के लक्षण हैं तो एहतियात के तौर पर आपको पालतू जानवरों समेत सभी जानवरों के सम्पर्क में आने से बचना चाहिए। जानवरों, उनके भोजन, उनके मल, या उनसे मिलने वाली चीज़ों के सम्पर्क में आने के बाद अपने हाथ धोएँ। अपने जानवरों की साफ़-सफ़ाई का ध्यान रखें।

क्या घरेलू मक्खियाँ SARS-CoV-2 संक्रमण फैला सकती हैं?

हिन्दी फिल्मों के एक अभिनेता ने दावा किया था कि ठीक हो जाने के कुछ दिन बाद भी कुछेक *कोविड-19* रोगियों के मल में SARS-CoV-2 वायरस पाया जाता है। अगर यह बात सही है तो, (खुले में शौच के मामले में) एक संक्रमित व्यक्ति के मल पर बैठी एक मक्खी SARS-CoV-2 वायरस को खुले हुए भोजन तक ले जा सकती है। या इस वायरस को ढोती कोई मक्खी इसे एक व्यक्ति तक पहुँचा सकती है जब यह उसकी त्वचा पर बैठती है।

हालाँकि SARS-CoV-2 के सन्दर्भ में मल-मुख मार्ग से इसके प्रसारण का कोई मामला अभी तक तो सामने नहीं आया है।

Credits: Simon Berry. URL: https://www.flickr.com/photos/colalife/8549300746. License: CC-BY-SA.

इसलिए, क्वारंटाइन परिसरों, अस्पतालों या संक्रमित व्यक्ति द्वारा ख़ुद को आइसोलेशन में रखने के मामलों में इस मार्ग से इस संक्रमण के फैलने की सम्भावनाएँ नहीं हैं। यहाँ तक कि SARS-CoV-2 वायरस को ढोने वाली कोई मक्खी अगर हमारी त्वचा पर बैठ जाए तो भी वह हमारी साफ़-सुथरी और साबुत त्वचा के ज़रिए हमें संक्रमित नहीं कर सकती।

Notes:

1. These responses were first published on the Indian Scientists' Response to CoViD-19 (ISRC) website.
2. Source of the image used in the background of the article title: https://www.needpix.com/photo/1911735/dog-cat-cats-animals-cute-feline.

आईएसआरसी (इंडियन साइंटिस्ट रिस्पॉन्स टू कोविड-19) 500 से ज़्यादा भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, टेक्नोलॉजिस्टों, डॉक्टरों, जन स्वास्थ्य शोधकर्ताओं, विज्ञान सम्प्रेषकों, पत्रकारों और विद्यार्थियों का एक समूह है। यह लोग *कोविड-19* महामारी का सामना करने के लिए स्वेच्छा से एकजुट हुए हैं। समूह से indscicov@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है। **अनुवाद :** मनोहर नोतानी